तृतीय समसत्र

तृतीय समसत्र में 3 पत्र होते हैं जिसमें कोर 5 6 और 7 है। तृतीय समसत्र में आधुनिक काल और साहित्य के साथ-साथ भाषा विज्ञान से जुड़ा ज्ञान भी विद्यार्थियों को प्राप्त होता है।

Core 5

इसमें विद्यार्थियों को आधुनिक काल और साहित्य से संबंधित ज्ञान दिया जाता है। इसमें आधुनिक काल की पृष्ठभूमि, द्विवेदी युग ,छायावाद आदि की परिस्थितियों और प्रवृत्तियों की जानकारी दी जाती है ।

Core -6

इसमें विद्यार्थियों को आधुनिक काल और साहित्य के प्रगतिवाद और प्रयोगवाद की परिस्थितियों और प्रवृत्तियों का परिचय दिया जाता है । 1960 के बाद नई कविता के जन्म से भी विद्यार्थियों को परिचित करवाया जाता है। इसमें नागार्जुन , रामधारी सिंह दिनकर , त्रिलोचन शास्त्री , हीरानंद सच्चिदानंद वात्सायन अज्ञेय, मुक्तिबोध, सर्वेश्वर दयाल सक्सेना की कुछ कविताओं के भावों की समीक्षा और उन कविताओं की विशेषताओं पर भी प्रकाश डाला जाता है ।

Core 7

सातवें पत्र के अंतर्गत भाषा विज्ञान विषय का ज्ञान विद्यार्थी प्राप्त करते हैं । इसमें भाषा की परिभाषा, भाषा की प्रमुख विशेषताएं आदि पर प्रकाश डाला जाता है । संसार में कितने प्रकार की भाषाएं होती है ? सांसारिक भाषाओं का वर्गीकरण आदि का ज्ञान विद्यार्थियों को प्राप्त होता है। हिंदी की बोलियों में मुख्य रूप से खड़ी बोली, ब्रजभाषा , अवधी और भोजपुरी का परिचय विद्यार्थियों को प्राप्त होता है। भाषा विज्ञान के अंतर्गत ध्वनि विज्ञान और अर्थ विज्ञान की जानकारी भी विद्यार्थियों को प्राप्त होती है । इसके अंतर्गत हिंदी की ध्वनियों का सामान्य परिचय और ध्वनियों में होने वाले परिवर्तन के कारणों का उल्लेख होता है । अर्थ विज्ञान के अंतर्गत अर्थ में होने वाले परिवर्तन की कारण और दिशाओं की जानकारी विद्यार्थियों को प्राप्त होती है।